



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—हण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31] नई दिल्ली, शुक्रवार अक्टूबर, 27 1989/कार्तिक 5, 1911

No. 31] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 27, 1989/KARTIKA 5, 1911

इस भाग में रीभास फूल संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Filing is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1989

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि) (संशोधन) विनियम, 1988

एन० आर० ओ० स० 1.092/मर० पी० डी०.—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक आधिनियम, 1964(1964
का 18) का प्रयोग उन्हीं उम्मीदारों (1) द्वारा अवसर योग्यताओं का प्रयोग करते हुए बोर्ड केन्द्र सरकार की
पूर्व अमुम्हति से भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि) विनियम, 1981 में निर्माणित
संशोधन करता है। अर्थात्—

1. इन विनियमों को भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि) (संशोधन) विनियम
1988 कहा जाएगा।

2. मार्गीय औद्योगिक विकास बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि) विनियम 1981 में

(1) विनियम 18 में, अन्त थे, निम्नलिखित प्रावधान जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“यह और कि ऊपर उक्त छह माह की अवधि समाप्त होने पर भी विकास बैंक, पूर्णत आपने विवेकन्तिर्णय अनुमान लगा करने के लिए किसी भी भाँति बाध्य न होते हुए, निधि की बहिरों में अधिदाता के द्वारा ने मांजूद राशि पर एक दर्द गे अनधिक अतिरिक्त अवधि के लिए व्यापक जमा कर सकता है। यदि भारतीय औद्योगिक विकास बैंक इस दाता से सन्तुष्ट है कि अधिदाता अथवा उसके नामित अथवा नामिनियों अथवा कानूनी प्रतिनिधियों, जैसा भी मामला हो, को ऐसी राशियों की अदायगी के न होने का करण अधिदाता अथवा उसके नामित अथवा नामिनियों अथवा कानूनी प्रतिनिधियों जैसा भी मामला हो, को चूक अथवा भूल नहीं है।”

3. यह संशोधन, अक्टूबर, 7, 1988 से, प्रभावी होगा तथा सर्वो प्रभावी हुआ माना जाएगा।

आर. जगन्नाथन, कार्यपालक निदेशक

प्रमाणित किया जाता है कि मार्गीय औद्योगिक विकास बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि) विनियम, 1981 में उक्त संशोधनों को भारत सरकार ने अपने पत्र नं. 11/6/86/ग.ई.ग्रा. दिनांक 9-8-1988 द्वारा अनुमान दधान किया है।

जी.एम. राममूर्ति, प्रबन्धक (चिठि)

INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 27th October, 1989

Industrial Development Bank of India (Employees' Provident Fund)
(Amendment) Regulations, 1988

N.R.O. No. 1092/RPD.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 37 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Board with the previous approval of the Central Government, makes the following amendments to the Industrial Development Bank of India (Employees' Provident Fund) Regulations, 1981, namely :—

1. These Regulations may be called the Industrial Development Bank of India (Employees' Provident Fund) Amendment Regulations, 1988.

2. In the Industrial Development Bank of India (Employees' Provident Fund) Regulations, 1981,

(i) In Regulation 18, the following proviso shall be added at the end namely :—

"Provided further that even after the expiry of the period of six months referred to above, the Development Bank may, in its absolute discretion and without being under any obligation so to do, allow interest on the sums standing in the books of the Fund to the credit of a subscriber, for a further period not exceeding one year, if the Development Bank is satisfied that the non-payment of such sums to the subscriber or his nominee or nominees, or legal representatives, as the case may be, is not due to any default or lapse on the part of the subscriber, or his nominee or nominees or legal representatives, as the case may be."

3. This amendment shall be effective and shall always be deemed to be effective from October 7, 1988.

R. JAGANNATHAN, Executive Director.

Certified that Government of India have given approval to the above amendment to the Industrial Development Bank of India (Employees' Provident Fund) Regulations, 1981, vide their letter F. No. 11/6/86/JR dated 9-8-1988.

G. M. RAMAMURTHY, Manager (Legal)

